

---

# Yajnavalkyakritam Surya Stotram 24

याज्ञवल्क्यकृतं सूर्यस्तोत्रम् २४

## Document Information

---

Text title : Yajnavalkyakritam Surya Stotram 24

File name : yAjnavalkyakRRitaMsUryastotram24.itx

Category : navagraha, bhAgavatapurANa, stotra

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : bhAgavatapurANa | adhyAya 12/6/67-72||

Latest update : October 18, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

October 18, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

याज्ञवल्क्यकृतं सूर्यस्तोत्रम् २४



याज्ञवल्क्य उवाच ।

ॐ नमो भगवते आदित्यायाभिलजगता-  
मात्मस्वरूपेण कालस्वरूपेण यतुर्विध-  
भूतनिकायानां ब्रह्मादिस्तम्भपर्यन्ताना-  
मन्तर्द्वयेषु बहिरपि याकाशे षोषाधिना-  
व्यवधीयमानो भवानेक एव क्षणालव-  
निमेषायवोपचितसंवत्सरगणनेनापामादान-  
विसर्गाभ्यामिमां लोकयात्रामनुव्रति ॥ ६७ ॥

यद्दुःखं वाव विबुधैर्षमं सवितरदस्तप-  
त्यनुसवनमहत्तराभ्यायविधिनोप-  
तिष्ठमानानामभिलक्षितवृञ्जिन-  
बीजवभर्जनं भगवतः समभिधीमहि  
तपनमण्डलम् ॥ ६८ ॥

य एष वाव स्थिरचरनिकराणां  
निजनिकेतनानां मन इन्द्रियासु-  
गणाननात्मनः स्वयमात्मान्तर्यामी  
प्रयोद्यति ॥ ६९ ॥

य एवेमं लोकमतिकरालवदना-  
न्धकारसंज्ञाजगरग्रहगिलितं  
मृतकमिव वियेतनमवलोक्या-  
नुकम्पया परमकारुणिक  
ःक्षयैवोत्थाप्याहत्तरनुसवनं  
श्रेयसि स्वधर्माभ्यात्मावस्थाने  
प्रवर्तयति ॥ ७० ॥

अवनिपतिरिवासाधूनां भय-  
मुदीरयन्नटति परित आशा-  
पावैस्तत्र तत्र कमलकोशा-  
ञ्जलिभिरुपहृतार्द्धैः ॥ ७१ ॥

अथ उ भगवंस्तव यरणनलिनयुगलं  
त्रिभुवनगुरुभिरभिवन्दितमलमयात-  
यामयजुष्काम उपसरामीति ॥ ७२ ॥

एति श्रीमद्भागवतमहापुराणे द्वादशस्कन्धे षष्ठाध्यायान्तर्गतं  
याज्ञवल्क्यकृतं सूर्यस्तोत्रं समाप्तम् ।

भागवतपुराण । अध्याय १२/६/६७-७२ ॥

bhAgavatapurANa . adhyAya 12/6/67-72..

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Yajnavalkyakritam Surya Stotram 24*  
pdf was typeset on October 18, 2025

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

